अकादमी न्यूज़

संख्या - 33
फरवरी - 2026

डॉ० आर० एस० टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल

Message from Director General

I am pleased to present the February edition of our monthly newsletter, highlighting the key training activities undertaken by the Academy. During this period, programmes on Direct Trainer Skills, Training Design, Office and Financial Management, School Safety and Preparation of School Disaster Management Plans, Standard Bidding Documents and Noting and Drafting were conducted, showing a range of learning and capacity-building initiatives. These efforts underscore our commitment to enhancing professional skills and fostering a culture of continuous learning and development.

Patron

Shri B. P. Pandey (Director General)

Editor

Dr. Mahesh Kumar (Joint Director)

Collaboration

Shri Richanshu Sharma, Joint Director (Finance)

Shri V. K. Singh (Dy. Director)

Shri Manoj Kumar (Training Manager)

Shri Yogesh Kumar (Training Manager)

Our Mission

We work for the capacity-building of civil servants, professionals, development functionaries and elected people's representatives.

Our Vision

To become a self-sustaining, proactive and leading organisation offering quality capacity-building (training and advisory) service in the field of public administration and development initiatives in a competitive environment.

Direct Trainer Skills (DTS)

अकादमी में दिनांक 02 से 06 फरवरी, 2026 के मध्य भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रायोजित 05 दिवसीय 'डायरेक्ट ट्रेनर स्किल्स' प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों एवं विभागों में तैनात प्रशिक्षकों तथा ऐसे कार्मिकों हेतु निर्धारित है, जिनके द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करने का कार्य किया जाता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण का व्यवस्थित दृष्टिकोण, सीखने के प्रकार तथा प्रशिक्षण की मुख्य 04 विधाओं यथा कोचिंग, लेक्चर, समूह चर्चा व समूह गतिविधि को सम्मिलित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त 04 प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करते हुए प्रतिभागियों को सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक रूप से अभ्यास करने का भी अवसर प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तराखण्ड के विभिन्न विभागों/संस्थाओं के कुल 24 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Office & Financial Management for Officials of Higher Education

अकादमी में दिनांक 23 फरवरी, 2026 से 28 फरवरी, 2026 तक की अवधि में उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड में कार्यरत मिनिस्ट्रीयल, वैयक्तिक सहायक एवं लेखा संवर्ग के कार्मिकों हेतु 'कार्यालय एवं वित्तीय प्रबन्धन' विषयक 06 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उच्च शिक्षा निदेशालय एवं जनपदों में स्थापित विभिन्न महाविद्यालयों से 34 कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी प्रशासन, वित्तीय प्रबन्धन, सेवा नियमों, सूचना अधिकार, साईबर कानून, मिशन कर्मयोगी, अनुशासनात्मक कार्यवाही, भ्रष्टचार निवारण, ई–गवर्नेन्स, ई–ऑफिस और कार्यालय प्रबन्धन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण विषयों की समग्र समझ विकसित करना था।

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड के कार्यों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करने हेतु आयोजित किया गया, जिससे प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि के साथ ही सुशासन की दृष्टि से कार्मिकों की कार्यक्षमता/दक्षता में संवर्धन हो सके।

Office & Financial Management for Homeopathic Department

अकादमी में सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत दिनांक 16.02.2026 से 21.02.2026 तक की अवधि में उत्तराखण्ड होम्योपैथिक विभाग के जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारियों एवं वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्साधिकारियों हेतु 'कार्यालय एवं वित्तीय प्रबन्धन' (कैपिसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम) विषयक छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 22 चिकित्साधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उददेश्य कार्यालय प्रबन्धन, वित्तीय प्रबन्धन, सेवा नियमों, सूचना का अधिकार, iGOT, मिशन कर्मयोगी, अनुशासनात्मक कार्यवाही, आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स, ई–गवर्नेन्स, ई–ऑफिस और मानसिक

स्वास्थ्य व तनाव प्रबन्धन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण विषयों पर आवश्यक जानकारी प्रदान करना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्तराखण्ड होम्योपैथिक विभाग के चिकित्साधिकारियों को उनके कार्यों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करने हेतु आयोजित किया गया, जिससे प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि के साथ ही सुशासन की दृष्टि से कार्मिकों की कार्यक्षमता / दक्षता में संवर्धन हो सके।

Psychosocial Support in Emergencies

आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 05–07 फरवरी 2026 की अवधि में 'Psychosocial Support in Emergencies' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन अकादमी, नैनीताल में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 25 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य निम्नवत् रहे :

- आपदा के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की समझ विकसित करना, प्रतिभागियों को यह समझाना कि आपदा से प्रभावित लोगों पर तनाव, भय, आघात (Trauma), चिंता और अवसाद जैसे प्रभाव कैसे पड़ते हैं।
- प्रतिभागियों को मनोसामाजिक सहायता की अवधारणा से परिचित कराना तथा Psychosocial Support (PSS) के सिद्धांत, महत्व और दायरे के बारे में जानकारी देना।
- संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण संचार कौशल विकसित करना, प्रभावित लोगों से प्रभावी, सम्मानजनक और सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त संवाद करने की क्षमता बढ़ाना।
- प्रतिभागियों तनाव प्रबंधन और को स्वयं के मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल और तनाव प्रबंधन के तरीकों से अवगत कराना।
- रेफरल तंत्र (Referral Mechanism) की जानकारी देना, गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के मामलों को उचित विशेषज्ञों या संस्थानों तक पहुँचाने की प्रक्रिया समझाना।
- आपदा के बाद दीर्घकालिक पुनर्वास में योगदान देना, प्रतिभागियों को यह सिखाना कि मनोसामाजिक सहायता केवल तत्काल ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक पुनर्वास का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है।

ToT on School Safety & Preparation of School DM Plan

आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 10–12 फरवरी 2026 एवं 17–19 फरवरी, 2026 की अवधि में 'Training of Trainers' on 'School Safety & Preparation of School DM Plan' विषयक दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं उत्तराखण्ड ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज संस्थान, रूद्रपुर में किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कुल 55 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य निम्नवत् रहे:

- स्कूल सुरक्षा की अवधारणा की समझ विकसित करना, प्रतिभागियों को स्कूल सुरक्षा (School Safety) के महत्व, सिद्धांतों और घटकों से परिचित कराना।
- आपदा जोखिम एवं भेद्यता की पहचान करना, स्कूल परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में संभावित खतरों (Hazards) और जोखिमों (Risks) का आकलन करना सिखाना।
- स्कूल आपदा प्रबंधन योजना (SDMP) तैयार करने की प्रक्रिया समझाना, प्रतिभागियों को SDMP के विभिन्न घटकों –जैसे जोखिम आकलन, संसाधन सूची, भूमिकाएँ एवं जिम्मेदारियाँ – तैयार करने का प्रशिक्षण देना।
- मॉक ड्रिल एवं अभ्यासों का संचालन, प्रतिभागियों को स्कूल में नियमित मॉक ड्रिल, निकासी अभ्यास (Evacuation Drill) एवं सुरक्षा अभ्यासों का संचालन करने में सक्षम बनाना।
- प्राथमिक उपचार एवं जीवन रक्षक कौशल का प्रशिक्षण, बेसिक फर्स्ट एड, आग से बचाव, और अन्य जीवन रक्षक उपायों की जानकारी देना।
- समुदाय एवं अभिभावकों की भागीदारी को बढ़ावा देना, स्कूल सुरक्षा में अभिभावकों, स्थानीय प्रशासन एवं समुदाय की भूमिका को मजबूत करना।
- सुरक्षित एवं आपदा–रोधी अवसंरचना (Safe Infrastructure) की समझ विकसित करना, स्कूल भवनों की संरचनात्मक एवं गैर–संरचनात्मक सुरक्षा उपायों की जानकारी देना।

Disaster Risk Reduction: Post Disaster Risk Assessment (PDNA)

आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 16–18 फरवरी 2026 की अवधि में 'Disaster Risk Reduction: Post Disaster Risk Assessment (PDNA)' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन अकादमी, नैनीताल में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 25 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य निम्नवत् हैं :

- आपदा के बाद जोखिम आकलन की अवधारणा को समझना, प्रतिभागियों को Post Disaster Risk Assessment (PDRA) के महत्व, उद्देश्य एवं प्रक्रिया से परिचित कराना।
- क्षति एवं हानि (Damage & Loss) का आंकलन करना सीखना, भौतिक क्षति (Damage) और आर्थिक हानि (Loss) के बीच अंतर को समझना तथा उनका सही मूल्यांकन करना।
- जोखिम एवं भेद्यता (Risk & Vulnerability) का विश्लेषण करना, प्रभावित क्षेत्रों में भविष्य के संभावित खतरों और संवेदनशीलता का आंकलन करना।
- डेटा संग्रहण एवं विश्लेषण की क्षमता विकसित करना, सर्वेक्षण, फील्ड विजिट, GIS, एवं अन्य उपकरणों के माध्यम से डेटा एकत्र एवं विश्लेषण करना।
- पुनर्निर्माण में "Build Back Better" दृष्टिकोण को अपनाना, पुनर्निर्माण के दौरान जोखिम कम करने और अधिक सुरक्षित एवं लचीले (Resilient) ढाँचे विकसित करने की समझ देना।
- समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करना, स्थानीय समुदायों की सहभागिता से अधिक सटीक और व्यवहारिक आंकलन करना।
- संवेदनशील समूहों पर विशेष ध्यान देना, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों एवं दिव्यांग व्यक्तियों पर आपदा के प्रभाव का विशेष आंकलन करना।

आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 24–26 फरवरी 2026 की

Mock Exercise on Earthquake, Fire & Forest Fire

अवधि में 'Mock Exercise on Earthquake, Fire & Forest Fire' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रूद्रपुर में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 45 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य निम्नवत् रहेः

- आपातकालीन स्थितियों में त्वरित एवं समन्वित प्रतिक्रिया की क्षमता विकसित करना, भूकंप, आग एवं वनाग्नि जैसी आपदाओं के दौरान त्वरित निर्णय एवं समन्वय की समझ विकसित करना।
- मॉक ड्रिल के माध्यम से व्यवहारिक कौशल विकसित करना, वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप अभ्यास कराकर प्रतिभागियों की कार्यक्षमता बढ़ाना।
- भूकंप के दौरान सुरक्षित निकासी एवं "Drop, Cover, Hold" तकनीक सिखाना, भूकंप के समय सही सुरक्षा उपायों एवं निकासी प्रक्रियाओं का अभ्यास कराना।
- आग लगने की स्थिति में बचाव एवं नियंत्रण उपायों का अभ्यास, फायर सेफ्टी उपकरणों (Fire Extinguishers) के उपयोग एवं आग बुझाने की तकनीकों का प्रशिक्षण देना।
- वनाग्नि (Forest Fire) प्रबंधन एवं रोकथाम की समझ विकसित करना, वनाग्नि के कारण, नियंत्रण, फायर लाइन निर्माण एवं समुदाय आधारित प्रबंधन की जानकारी देना।
- प्राथमिक उपचार एवं जीवन रक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण, घायल व्यक्तियों को तुरंत सहायता प्रदान करने के लिए First Aid एवं CPR जैसी तकनीकों का अभ्यास।
- समुदाय एवं विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाना, प्रशासन, आपदा प्रबंधन विभाग, फायर सर्विस, वन विभाग एवं समुदाय के बीच तालमेल को सुदृढ़ करना।

Evaluation of Training (EoT)

डॉ0 आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल द्वारा डी0ओ0पी0टी0 भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सी0जी0जी0 के माध्यम से आयोजित 'Evaluation of Training (EoT)' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 23 से 27 फरवरी, 2026 की अवधि में किया गया। प्रशिक्षणों हेतु आवश्यकता आंकलन के संदर्भ में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विस्तृत कौशल प्रदान करता है। प्रशिक्षण मूल्यांकन (Evaluation of Training) का उद्देश्य यह जाँचना है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम कितना प्रभावी रहा, उसने निर्धारित लक्ष्यों को हासिल किया या नहीं, और इससे कर्मचारियों के कौशल व कार्यप्रदर्शन में क्या सुधार आया है। यह प्रक्रिया निवेश पर प्रतिफल (ROI) को मापने, कमियों को पहचानने और भविष्य के प्रशिक्षणों को बेहतर बनाने के लिए फीडबैक प्रदान करती है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों यथा–शिक्षा विभाग, समग्र शिक्षा, DIET, गन्ना एव चीनी विभाग, उरेडा, समाज इत्यादि विभागों के 15 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न विभागों के प्रवक्ता, अध्यापक, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारों द्वारा प्राप्त किये गये, यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ऐसे विभागों/संस्थानों/अधिकारियों हेतु महत्वपूर्ण है जिनके द्वारा समय–समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

Standard Bidding Documents

डॉ0 आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल द्वारा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में दिनांक 18.02.2026 एवं 19.02.2026 को मानक निविदा प्रपत्र (Standard Bidding Documents) विषयक एक–एक दिवसीय दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कराया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों में लोक निर्माण विभाग के कुल 53 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Office & Financial Management

डॉ0 आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित 'Office & Financial Management' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 16 से 20 फरवरी, 2026 तक की अवधि में किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विभागों जैसे लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग, पशुपालन विभाग आदि के 16 अधिकारियों/ कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Learning-Cum-Exposure Visit for Assistant Urdu Translator's from the Cabinet Secretariat Department of Bihar

अकादमी में बिहार कैबिनेट सचिवालय के सहायक उर्दू अनुवादकों हेतु 'Learning-Cum-Exposure Visit for Assistant Urdu Translator's from the Cabinet Secretariat Department of Bihar' विषयक सात दिवसीय दो प्रशिक्षण कार्यक्रम क्रमशः दिनांक 08 से 14 फरवरी, 2026 एवं 11 से 17 फरवरी, 2026 के मध्य सफलतापूर्वक आयोजित किये गये।

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य उत्तराखण्ड के प्रमुख प्रशासनिक, सूचना और सांस्कृतिक संस्थानों के कार्यप्रणाली का अनुभव प्राप्त करना, भाषा अनुवाद और दस्तावेज़ीकरण में राज्यों के बीच सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं का आदान–प्रदान, उत्तराखण्ड की सामाजिक और भाषाई विविधता के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहलुओं से परिचय, बिहार और उत्तराखण्ड के सरकारी विभागों के बीच सहयोग और संवाद को बढ़ाना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित कुल 93 प्रशिक्षु अधिकारियों के द्वारा पतिभाग किया गया।

Training of Nodal Officers (RTI) of State Public Authorities

अकादमी में दिनांक 13 फरवरी, 2026 को डी0ओ0पी0टी0 भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'Training of Nodal Officers (RTI) of State Public Authorities' विषयक 01 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में राज्य के विभिन्न विभागों में विभागीय स्तर पर नामित सूचना के अधिकार के कुल 31 नोडल अधिकारियों, लोक सूचना अधिकारियों तथा सहायक लोक सूचना अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य सूचना का अधिकार से संबंधित अधिकारियों को Nodal officer से सम्बन्धित Online Portal, Proactive Disclosure, Third Party Information, अपील प्रक्रिया आदि विषयों से सम्बन्धित जानकारी दी गयी व पोर्टल पर Hands on भी कराया गया।

Outreach Training Programme

डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल द्वारा दिनांक 05 फरवरी, 2026 एवं 06 फरवरी, 2026 को विकास भवन सभागार बागेश्वर में लैंगिक मुददे, कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न, (निवारण), प्रतिशोध एवं प्रतितोश अधिनियम, 2013, ई–आफिस एवं वेतन निर्धारण से सम्बन्धित विषयों पर एक–एक दिवसीय दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों में क्रमशः 77 एवं 54 सहित कुल 131 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Workshop on RTI

दिनांक 04 फरवरी, 2026 को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित सूचना का अधिकार अधिनियम–2005 सम्बन्धी एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जनपद बागेश्वर में किया गया जिसमें कुल 71 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला में सूचना का अधिकार संबंधित Best Practices/Success Stories, Suo-motu disclosure एवं अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गयी। कार्यशाला का उददेश्य Uttarakhand RTI Act & RTI Rules से संबंधित समस्त प्रावधानों एवं व्यवहारिक प्रकरणों पर प्रकाश डालते हुये प्रतिभागियों को RTI की समुचित जानकारी देना था।

Training on Noting & Drafting for DRDO Officers

A five days training programme on Noting & Drafting was organized for the officers of DRDO from 16th to 20th February, 2026 under Centre for Good Governance (CGG) at Dr. R. S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration, Nainital. This course was sponsored by Centre for Personnel Talent Management (CEPTAM), Ministry of Defence, Govt. of India, Delhi. Total 24 officers from all over India reported and participated in the training. The training not only provided the knowledge but also developed the skills of participants by giving them the opportunity through practical exercises and case studies. The following content was covered in the training.

- Introduction to Noting and Drafting in Government Offices
- Importance of Effective Communication in Official Correspondence
- Structure and Format of Office Notes as per DRDO and Central Govt. Guidelines
- Drafting Techniques : Precision, Clarity, and Brevity in Official Documents
- Types of Noting : Routine, Justification, and Proposal-Based Notes
- File Management and Movement of Notes in DRDO and Central Govt.
- Drafting Office Orders, Circulars, and Memos : Standard Practices
- Common Errors in Noting and Drafting and How to Avoid Them
- Legal and Administrative Aspects of Official Communication
- Case Studies and Practical Exercises on Real-World Scenarios

Knowledgeable and experienced Retd. Central Secretariate Service Officers contributed as Resource Persons in this training. Participants were fully satisfied with the inputs of Training, Resource Persons & facilities of Academy.

Cyber Crime & Security Measures at Workplace

Dr. R. S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration, Nainital conducted a three-day Training programme on "Cyber Crime & Security Measures at Workplace" at the Academy from 10th to 12th February 2026. Twenty Eight (28) Officers from different departments had participated in the training programme. All subjects included in the programme were addressed through lectures delivered by distinguished speakers and resource persons from the relevant field. The training program has yielded significant positive outcomes by enhancing employee awareness and strengthening organizational resilience against digital threats.

Objective of the Training:

- To improve Awareness About Cyber Threats & Cyber crime.
- To promote safe practices in handling digital information, communication tools, and workplace technologies.
- To strengthen Awareness on IT Acts, DPDP Act & it's importance
- To secure critical information assets of government against loss, theft, etc.,
- To ensure data confidentiality, integrity and non-repudiation.
- To develop proactive skills for detecting suspicious activities and reporting incidents promptly.
- To strengthen compliance with organizational policies, legal frameworks, and national cyber security standards.
- To ensure IT systems implementations in line with the security policies and standards defined by MeitY/Central/State governments.

Convergence of SBM and NULM

The State Institute of Urban Development (SIUD), Dr. R.S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration, conducted a three-day training program on "**Convergence of SBM and NULM**" from 11th to 13th February, 2026 at the Dr. R S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration, Nainital. Total 26 participants from Urban Local Bodies participated in the programme.

Objective of the Training:

- To enhance understanding of SBM and NULM frameworks, guidelines, and implementation mechanisms.
- To sensitize officials on the importance and benefits of convergence between sanitation and livelihood missions.
- To develop practical skills for designing convergence-based projects at the ULB level.
- To promote inclusion of SHGs, waste pickers, sanitation workers, and urban poor institutions in SBM activities.
- To strengthen coordination among departments, mission units, and stakeholders.
- To share best practices, case studies, and successful models of SBM–NULM convergence.
- To enable preparation of actionable convergence plans aligned with local urban needs.

Orientation Training Programs for Elected Representative (ER's) of Uttarakhand ULB's

The State Institute of Urban Development (SIUD), Dr. R.S.Tolia Uttarakhand Academy of Administration, conducted two-days 03 Orientation training programs for Elected Representative (ER's) of Uttarakhand ULB's. A total of 23 ERs of Nagar Nigam, Roorkee participated in the training held from 3rd to 4th February, 2026 at Nagar Nigam, Roorkee. Similarly, 26 ERs of Nagar Panchayat, Imlikheda, Rampur, Piran Kaliyar and Bhagwanpur, attended the program conducted from 5th to 6th February, 2026 at Bhagwanpur and Similarly, 33 ERs of Nagar Nigam, Pithoragarh, attended the program conducted from 26th to 27th February, 2026 at Nagar Nigam, Pithoragarh.

Objective of the Training:

- To orient newly elected representatives on urban governance structure and their roles and responsibilities in ULBs.
- To develop an understanding of key government rules and procedures, including procurement norms.
- To familiarize them with major centrally sponsored schemes such as SBM 2.0, AMRUT, PMAY-Urban, DAY-NULM, and PM SVANidhi.
- To showcase successful urban initiatives and promote peer learning.

Orientation Program for Sanitary Workers of Uttarakhand ULB's

The State Institute of Urban Development (SIUD), Dr. R.S.Tolia Uttarakhand Academy of Administration, conducted one-day orientation program on 'Occupational Health and Safety Including Manhole to Machine Hole for Sanitary Workers" at Nagar Nigam, Pithoragarh. Total 32 Sanitary Workers of Nagar Nigam, Pithoragarh participated in the training held on 28th February, 2026.

Objective of the Training:

- To create awareness about challenges, rights, and welfare schemes of sanitary workers.
- To promote Health, safety, hygiene practices, and proper use of PPE.
- To build capacity in First aid and emergency preparedness for workplace safety

Training Programme on Statistical Applications in Policy Formulation for Effective Decision Making

The Centre for Good Governance, DRSTUAoA has organized a Training Programme on 'Statistical Applications in Policy Formulation for Effective Decision Making' for Economics and Statistics Officer Uttar Pradesh" from 2nd to 7th February, 2026 and 23rd to 28th February, 2026. The participant officers were provided comprehensive learning experience through a combination of classroom lectures, workshops, field visit and interactive sessions with different stakeholders.

The primary objective of this training programme was to improve the statistical capacity and operations of state statistical systems to collect, compile, and disseminate reliable official statistics. Additionally the programme aimed to strengthen statistical activities deemed important by the centre. The program also seeks to empower officers with expertise in survey design, research methodology, sample selection, and data collection techniques to ensure data quality and reliability. Total 21 Participants (02 Female and 19 Male) and 24 Participants (01 Female and 23 Male) participated in these training programs respectively.

Management of Training Course (MoT)

The DoPT Sponsored MoT training program was organised in the Academy from 17th to 21st February, 2026. Participants from various departments like Railway, Secretraiat, Medical, Urban, Employment, Transport, Education etc. participated in the training program. A total of 15 participants participated in the training program.

The aim of the training was to clarify the training function in a Government Department in accordance with the Systematic Approach to Training (SAT) and the role of a Training Manager in it.

Training Events March, 2026

S.N.	Name of the Training Programme	From	To	Course Director
1.	Design of Training (State)	09.03.2026	13.03.2026	V.K. Singh
2.	Disaster Preparation and Mitigation Strategies in Urban Areas	09.03.2026	11.03.2026	Dr. Om Prakash/ Dr. Manju Pandey
3.	Statistical Application in Policy Formulation For Effective Decision making	09.03.2026	14.03.2026	Dr. A.K.Mishra
4.	Safe Hill Area Practices (National Workshop)	09.03.2026	10.03.2026	Dr. Manju Pande
5.	POSH & POCSO (Rudraprayag)	10.03.2026		Poonam Pathak
6.	Pay Fixation (Rudraprayag)	11.03.2026		Poonam Pathak
7.	Ayurvedik Pharmacists	12.03.2026	14.03.2026	Poonam Pant
8.	Right to Information & Right to Service (Rudraprayag)	12.03.2026		Poonam Pathak
9.	Office Management	16.03.2026	18.03.2026	Anup Kumar
10.	Sevottam	16.03.2026	18.03.2026	Sudhir Kumar
11.	Office & Financial Management for officials of Department of Higher Education	16.03.2026	21.03.2026	A.K. Mishra
12.	Workshop on SDGs by Dept. of Economics & Statistics Govt. of Delhi	16.03.2026	17.03.2026	A.K. Mishra
13.	e-Governance, e-Office & Mission Karmayogi (Pithoragarh)	17.03.2026	17.03.2026	B.K. Naik
14.	Financial Rules & Pay Fixation (Pithoragarh)	18.03.2026	18.03.2026	B.K. Naik
15.	Right to Information Act & Right to Service Act (Pithoragarh)	19.03.2026	19.03.2026	B.K. Naik
16.	Mock Exercise on Earthquake, Fire & Forest Fire	23.03.2026	25.03.2026	Dr. Manju Pandey
17.	Uttarakhand Statistics department (IV-53(2023)TCU	23.03.2026	27.03.2026	A.K.Mishra
18.	Mentoring	23.03.2026	25.03.2026	Dr. Mahesh Kumar
19.	E- Governance & Digital India	23.03.2026	25.03.2026	B.K. Naik
20.	Workshop- Child Right Commission	23.03.2026	24.03.2026	A.K. Mishra/ Ragini Tewari
21.	ToT on Engaging Youth and adolescents in DRM & CCA	27.03.2026	29.03.2026	Dr. Om Prakesh
22.	Training Programme on Disciplinary Proceeding for PWD	30.03.2026	31.03.2026	Richanshu Sharma

सर्वभूतहिते रताः

डॉ. आर.एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी
आर्डवेल कैम्प, नैनीताल - 263001
Dr. R. S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration
Ardwell Camp, Nainital - 263001

Phone फोन : 235011
: 236068
: 236149
STD एसटीडी : 05942
E-Mail / bZ&esy :
directoracademy@hotmail.com